Page Three Classified

Adds can be booked under these Categories : (all day publication)

Recruitment
Property
Business Opportunity
Vehicles
Announcements
Antiques & Collectables
Barter
Books
Computers
Domain Names
Education
Miscellaneous
Entertainment & Event
Hobbies & Interests
Services
Jewellery & Watches
Music
Obituary
Pets & Animals
Retail
Sales & Bargains
Health & Sports
Travel

Matrimonial (Sunday Only)

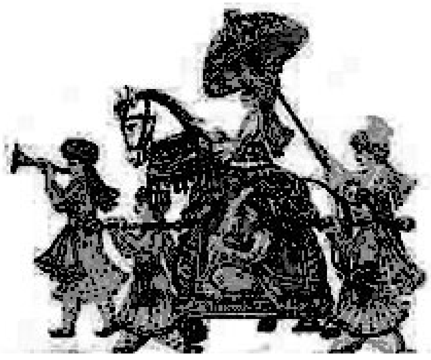

अब मात्र रु. 20 प्रति शब्द

नगरनिगम के रवैये से नाराज पार्षद पति देंगे धरना

संवाददाता

ऋषिकेश। नगर निगम के भरत विहार की मुख्य सड़क निगम पर पर्याप्त स्ट्रीट लाइटें न लगाए जाने से लोगों का पारा चढ़ा हुआ है। वहीं पार्षद का कहना है कि लाइटें और खंभे लगाए बिना ही नगर निगम लाइट लगाने के दावा कर रहा है। वहीं मुख्य मार्ग पर स्ट्रीट लाइट की मांग को लेकर पार्षद पति–पत्नी ने 1 फरवरी से रात 8 बजे से सुबह 8 बजे तक गुलदार प्रभावित क्षेत्र में धरना देने की चेतावनी दी है।

नगर निगम गठन के बाद से ही भरत विहार कॉलोनी की सड़क पर स्ट्रीट लाइट लगाने की मांग की जा रही है। लेकिन निगम के द्वारा स्ट्रीट लाइटें नहीं लगाई गई। जबकि इस क्षेत्र में गुलदार की धमक कई बार देखी जा

■भरत विहार कॉलोनी की सड़क पर स्ट्रीट लाइट लगाने की मांग

चुकी है इस क्षेत्र में स्ट्रीट लाइट न होने की वजह से लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

वार्ड नंबर 23 और 24 के पार्षद पति–पत्नी ने लाइट न लगाए जाने से परेशान होकर 21 जनवरी को जिलाधिकारी पत्र भेजकर समस्या से अवगत कराया था। साथ ही मांग पूरी न होने पर पति– पत्नी गुलदार प्रभावित क्षेत्र में रात 8 बजे से लेकर सुबह 8 बजे तक धरना देने की चेतावनी दी थी। मामले को संज्ञान लेते हुए जिलाधिकारी ने संबधित विभाग के अधिकारियों को फटकार लगाते हुए क्षेत्र में लाइट लगाने के आदेश जारी किए, लेकिन नगर निगम ने खाना पूर्ति करते हुए कुछ ही लाइटें लगाते हुए खानापूर्ति कर दी।

स्थानीय पार्षद विकास तेवतिया ने कहा की निगम की पहली बोर्ड बैठक में भरत विहार में लाइट लगाने का प्रस्ताव दिया था. लेकिन अभी तक लाइटें नहीं लगाई गई। उन्होंने कहा कि 21 जनवरी को प्रशासन को चेतावनी देते हुए धरना देने की चेतावनी दी थी। जिसके बाद निगम और विद्युत विभाग ने पूरे क्षेत्र में पुराने लगे खंभों पर लगभग 8 लाइटें लगाते हुए खानापूर्ति की। स्थानीय पार्षद ने कहा कि उनके द्वारा क्षेत्र में 30 लाइट और खंभे लगाने की मांग की थी, लेकिन कुछ लाइटें लगाई गई हैं।

अब संत आत्मबोधानंद ने शुरू किया आमरण अनशन

संवाददाता देहरादून। साध्वी पद्मावती को बीती देर रात पुलिस के उठाने के साथ ही अब मातृ सदन आश्रम के ब्रह्मचारी संत आत्मबोधानंद अनशन पर बैठ गए हैं। आत्मबोधानंद पहले भी 194 दिन का अनशन कर चुके हैं।उनका कहना है कि प्रशासन की ओर से साध्वी को जबरन उठाया गया है। पुलिस उन्हें जबरन कुछ खिला–पिला कर अनशन समाप्त कराना चाहती है।वह पहले ही घोषणा कर चुके थे कि साध्वी को उठाने पर वह अपना अनशन शुरू कर देंगे। इसलिए रात में ही उन्होंने गंगा रक्षा के लिए अपना अनशन शुरू कर दिया है। वहीं, स्वामी शिवानंद भी पुलिस के इस तरह से साध्वी को उठाने पर भड़के हुए हैं। उन्होंने कहा कि मातृसदन के संतों का अनशन मांग पूरी होने न होने तक जारी रहेगा। एक के बाद एक ब्रह्मचारी और साध्वी गंगा रक्षा की मांग को लेकर तपस्या पर बैठते रहेंगे। चेतावनी दी कि जरूरत पड़ी तो स्वयं अन्न–जल त्यागकर तपस्या करेंगे। उन्होंने बताया कि बीती रात से ही साध्वी पदमावती को उल्टियां हो रही थी।

साध्वी पद्मावती को पुलिस ने अनशन से उठाया, अस्पताल में भर्ती

कार्रवाई

मातृ सदन की ओर से मुख्यमंत्री, एसडीएम व सीएमओ के खिलाफ वाद दायर किया गया

संवाददाता

हरिद्वार। गंगा की अविरलता की मांग को लेकर मातृ सदन में अनशन पर बैठीं साध्वी पद्मावती का स्वास्थ्य बिगड़ने पर 47वें दिन पुलिस ने बीती देर रात उन्हें जबरन उठाकर दून अस्पताल में भर्ती करा दिया। पुलिस ने यह कार्रवाई रात में सीएमओ की ओर से जारी साध्वी के स्वास्थ्य बुलेटिन के आधार पर की है। मातृ सदन की ओर से मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत, एसडीएम कुसुम चौहान, सीएमओ डॉ सरोज नैथानी, लक्सर की एसडीएम सुनैना राणा और थानाध्यक्ष के खिलाफ कोर्ट में वाद दायर किया है।

साध्वी पद्मावती ने 15 दिसंबर को गंगा की निर्मलता और अविरलता के लिए आमरण अनशन शुरू किया था। तब से उनका अनशन लगातार जारी था। हाल ही में बिहार के सीएम नितीश कुमार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से

साध्वी पद्मावती को उठाकर ले जाती पुलिस।

साध्वी पद्मावती के समर्थन में लिखा गया पत्र लेकर अपने जल संसाधन मंत्री संजय झा और सांसद कौशलेंद्र कुमार को हरिद्वार भेजा था। मंगलवार को यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का संदेश लेकर यूपी के अधिकारी भी हरिद्वार पहुंचे थे, लेकिन साध्वी ने अनशन खत्म करने से इनकार कर दिया था।

स्वास्थ्य विभाग की टीम ने साध्वी का स्वास्थ्य परीक्षण किया और एसडीएम कुसुम चौहान को स्वास्थ्य बुलेटिन सौंपा। उनके स्वास्थ्य में गिरावट को देखते हुए एसडीएम के नेतृत्व में पुलिस टीम मातृ सदन पहुंची और साध्वी को जबरन उठाकर दून अस्पताल में भर्ती करा दिया।

गंगा की अविरलता की मांग को लेकर मातृ सदन में अनशन पर बैठीं साध्वी पद्मावती का स्वास्थ्य बिगड़ने पर 47वें दिन पुलिस ने उन्हें जबरन उठाकर दून अस्पताल में भर्ती करा दिया। इसके बाद शुक्रवार को मातृ सदन की ओर से मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत, एसडीएम कुसुम चौहान, सीएमओ डॉ सरोज नैथानी, लक्सर की एसडीएम सुनैना राणा और थानाध्यक्ष के खिलाफ कोर्ट में वाद दायर किया है। वहीं, साध्वी पद्मावती का कहना है कि प्रशासन को जो भी उपचार देना है मातृ सदन में देना होगा। वे अपना अनशन समाप्त नहीं करेंगी। साध्वी पद्मावती ने 15 दिसंबर को गंगा की निर्मलता और अविरलता के लिए आमरण अनशन शुरू किया था। तब से उनका अनशन लगातार जारी था। डीआईजी अरूण मोहन जोशी ने अस्पताल पहुंचकर उनका हालचाल जाना। प्रशासन का कहना है कि साध्वी पद्मावती के बिगड़ते स्वास्थ्य को देखते हुए उक्त कार्रवाई की गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए डीआईजी अरुण मोहन जोशी साध्वी के स्वास्थ्य की जानकारी लेने दून अस्पताल पहुंचे.। उन्होंने डॉक्टरों से विचार विमर्श कर हायर सेंटर उपचार कराने की बात कही।

न्यूज डायरी

एक लाख पौधे लगाने का संकल्प लिया

संवाददाता देहरादून। एचडीएफसी बैंक ने देहरादून में 1 लाख पेड़ लगाने की पहल की। यह गतिविधि पर्यावरण, सामाजिक और शासन पहलों के लिए बैंक के अमब्रेला ब्रांड का हिस्सा है। यह ऐसे कई वृक्षारोपण अभियानों में से पहला है जो एचडीएफसी बैंक जलवायु परिवर्तन पर अंकुश लगाने के अपने प्रयास के तहत निकट भविष्य में आयोजित करेगा। वृक्षारोपण अभियान का उद्घाटन उत्तराखंड के राज्यपाल, बेबी रानी मौर्य और संजीव कुमार, शाखा बैंकिंग प्रमुख–उत्तराखंड, द्वारा किया गया। अन्य सरकारी और बैंक अधिकारियों की उपस्थिति में एचडीएफसी बैंक। एचडीएफसी बैंक ने राज्य में हाल के वर्षों में पर्यावरणीय गिरावट को सुधारने के उद्देश्य से इस गतिविधि को अंजाम दिया और क्लाइमेटचेंज की वैश्विक समस्या को रोकने में भी मदद की। पेड़ एक महत्वपूर्ण प्राकृतिक संसाधन हैं और पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखने के लिए आवश्यक हैं, भूजल की भरपाई करते हैं और वायु प्रदूषण को कम करते हैं।

कैंची धाम में बाबा की हत्या

संवाददाता हल्द्वानी। हल्द्वानी में शुक्रवार की सुबह सनसनी फैल गई। कैंची धाम क्षेत्र में एक बाबा की हत्या का मामला सामने आया। मिली जानकारी के अनुसार, घटना देर रात की है। मृतक बाबा केशर नाथ की उम्र करीब 100 वर्ष बताई जा रही है। बाबा के सिर में चोट के निशान मिले हैं। पुलिस मामले की तहकीकात करने में जुट गयी है। मिली जानकारी के अनुसार बाबा साल 2004 से कैंची के जंगल में रह रहे थे। इसके साथ ही वहां बाबा का एक साथी तीरथ सिंह घायल अवस्था में मिला। जानकारी मिलते ही पहुंची पुलिस ने घायल को अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस को मौके पर करीब एक लाख रुपये भी बरामद हुए हैं। पुलिस पूरे मामले की पड़ताल कर रही है।

खेत में अधजली लाश मिलने से सनसनी

संवाददाता रामनगर। नगर के बैलपोखरा आर्य समाज मंदिर के पास नवीन खैरी के खेत में अधजली लाश मिलने से पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। शव देखे जाने के बाद राहगीरों ने इसकी जानकारी पुलिस को दी। शव महिला का है या पुरुष का अभी कहना मुश्किल है। पुलिस शव की शिनाख्त करने में जुटी हुई है। सूचना मिलते पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं क्षेत्र में शव मिलने से लोगों में दहशत का माहौल है। गौर हो कि कालाढूंगी के बैलपोखरा में आर्य समाज मंदिर के पास नवीन खैरी के खेत में अधजली लाश मिलने की सूचना राहगीरों ने पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस महकमे में खलबली मच गई। साथ ही शव मिलने की सूचना क्षेत्र में आग की तरह फैल गई और मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई।

अमेरिका का दल परमार्थ निकेतन में स्वामी चिदानंद सरस्वती के साथ ग्लोब पर जलाभिषेक करते हुए।

पर्यावरण और जल संरक्षण के लिये कार्य करने का लिया संकल्प

संवाददाता ऋषिकेश। परमार्थ निकेतन में प्रसिद्ध गायक एडम बॉयर के निदेशन में अमेरिका से एक दल पहुंचा उन्होने परमार्थ निकेतन के परमाध्यक्ष स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी से भेंट कर आशीर्वाद लिया तथा भारतीय संगीत और योग को सीखने की इच्छा व्यक्त की।

इस दल के सदस्य ने अन्तर्राष्ट्रीय योग महोत्सव में भी सहभाग कर भक्ति संगीत और कीर्तन की प्रस्तुति देते रहे है। एडम बॉयर के सान्निध्य में संगीतज्ञों का दल प्रतिवर्ष परमार्थ ऋषिकेश आता है। माँ गंगा के पावन तट पर आकर अपनी भक्ति संगीत साधना को और प्रखर करते हैं और यहां पर आकर भारतीय संस्कृति और मूल्यों को आत्मसात करते हैं।

गायक एडम बॉयर के दल ने परमार्थ निकेतन में योग और ध्यान के सत्र में सहभाग किया। इस दल में भी अमेरिका में प्रशिक्षण दे रहे योग शिक्षक थे जिन्होने यहां पर रहकर भारतीय योग विधा को जाना एवं अपनी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया। एडम बॉयर एक प्रसिद्ध गायक है इनका पहला एकल कीर्तन एल्बम श्याम लीला है। जिसे उन्होने अपने गुरू श्यामदास को श्रंद्धाजलि के रूप में भेंट किया है। स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी महाराज ने कहा कि संगीत मन के भावों को व्यक्त करता है।